an>

Title: Regarding statement by a Union Minister calling for a debate on the Preamble of the Constitution and reported statement demeaning the status of Mother Teresa.

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया **(गुना) :** अध्यक्ष जी, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण और गंभीर मामला आपके द्वारा सदन में उठाना चाहता हूं। सरकार में केंद्रीय मंत्री श्री रवि शंकर प्रसाद जी का एक महीने पूर्व वक्तव्य आया था। उन्होंने कहा था कि संविधान की प्रस्तावना पर राष्ट्रीय चर्चा होनी चाहिए। मुझे लगता है कि शायद वे प्रधानमंत्री से प्रभावित हुए हैं जिन्होंने हर समय कहा है कि चाय पर चर्चा होनी चाहिए, इसलिए इन्होंने कहा है कि प्रस्तावना पर चर्चा होनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदया, यह बड़ा गंभीर मामला है। इसी के साथ इनकी सहभागी पार्टी शिव सेना के एक सांसद ने भी कहा कि संविधान से 'सामाजिक' एवं 'पंथनिरपेक्ष' शब्दों को निकालने का वे समर्थन करते हैं। यह एक बहुत ही निन्दाजनक विषय है, जो इस राष्ट्र के लोकतंत्र के साथ और संविधान के साथ जुड़ा हुआ है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी यह स्पष्ट रूप से कहा है कि संविधान के साथ इन दोनों शब्दों का साथ एक अमिट भाग है और इसमें कोई परिवर्तन नहीं हो सकता। यह स्पष्ट हो चुका है कि जो हम पिछले आठ-दस महीने में देख रहे हैं, घर-वापसी की चर्चा चल रही है, धर्म, समाज पर टिप्पणी की जा रही है तो मुझे लगता है कि इस सरकार का असली चेहरा निकल कर आ रहा है। हमारे राष्ट्रपति ने और अमेरिका के राष्ट्रपति ने भी यह टिप्पणी दी है कि इस विषय पर सावधानी इस सरकार को बरतनी चाहिए। प्रधान मंत्री जी ने स्वयं यह कहा है कि भारत सरकार का एक ही ग्रंथ है और वह हमारा संविधान है और मैं संविधान का पूरा सम्मान करता हूं। यह निन्दाजनक टिप्पणी, जो भारत सरकार के एक मंत्री के द्वारा की गयी है, उसके बारे में हम सरकार से स्पष्टीकरण चाहते हैं।

इसी के साथ, कल एक वक्तव्य दिया गया, जो मैं समझता हूं कि *

HON. SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

माननीय अध्यक्ष **:** वैंकैय्या जी, आप इसे रिकॉर्ड में क्यों लाना चाहते हैं?

श्री एम. वैंकैय्या नायडू **:** मैडम, उन्होंने प्रिएम्बल के बारे में स्पष्टीकरण का एक इश्यू रेज किया है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** ज्योतिरादित्य जी, बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing is going on record, Jyotiradityaji. Please take your seat.

*(Interruptions) â€¦ **

SHRI M. VENKAIAH NAIDU : This is not fair. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष **:** ज्योतिरादित्य जी, बैठ जाइए।

Nothing is going on record.

*(Interruptions) â€¦ **

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: If they want to score points, there is a forum outside. What I am trying to say is this. You have raised an issue. ...(*Interruptions*) The Government has nothing to do with such statements. Private persons have a right to speak outside. ...(*Interruptions*)

On the issue of what is enshrined in the Preamble, there is no proposal from the Government. ...(*Interruptions*)

आप जो भी कहना चाहते हैं, वह आप कहते हैं, पर आप सुनने के लिए तैयार नहीं हैं।...(व्यवधान)

ऐसा क्यों?

माननीय अध्यक्ष **:** ज्योतिरादित्य जी, माननीय मंत्री महोदय उसी विषय पर बोल रहे हैं।

श्री एम. वैंकैय्या नायडू **:** सरकार का जो वक्तव्य होता है, मैं उसी पर स्पष्टीकरण देता हूं। बाकी विषयों पर, आपके उपाध्यक्ष ने क्या कहा, जनरल सेक्रेटरी ने क्या कहा, उस पर नहीं कहता हूं।...(व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया**:** महोदया, सरकार देश की कस्टोडियन होती है। आपको जरूर जवाब देना होगा।...(व्यवधान) अगर आप नहीं देंगे तो देश की एक-एक जनता आपको जवाब देगी।...(व्यवधान)

श्री एम. वैंकैय्या नायडू **:** देश की जनता ने अपना फैसला दिया। इसलिए, हम यहां हैं और आप वहां हैं।...(व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया**:** आपकी पार्टी का सफाया हो गया।...(व्यवधान) देश की जनता ने भी फैसला दिया है।

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Very good. Out of eight States, BJP has won seven States hands down. ...(*Interruptions*) यह सबको मालूम है। सात राज्यों में हमने जैसी विजय हासिल की है, इसे भी लोगों ने देखा है। इसमें सफाई का सवाल कहां उठता है?...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Even in West Bengal also, our graph is going up. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष **:** क्या आप लोग आपस में ही बातें करेंगे?

â€¦(व्यवधान)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Regarding the issue raised by Shri Jyotiraditya Scindia with regard to the Preamble to the Constitution, I want to make it very clear to this august House and to the people of India that there is no proposal before the Government to change the Preamble which was changed in 1976 during Emergency by way of an amendment to the Constitution. That is the Preamble as of today. There is no question of making any changes and there is no proposal. ...(*Interruptions*)

You have raised an issue and I am responding to it. आप बैठिए। पूरा देश देख रहा है। मेरा कहना है कि प्रीऐम्बल के बारे में जो बाहर बहस हुई, वह इस कारण से हुई, एक विज्ञापन में प्रीऐम्बल जो ओरिजनल संविधान में था, वह छपा और उसके बारे में चर्चा, सवाल, प्रति-सवाल वगैरह हुए। ...(व्यवधान)

PROF. SAUGATA ROY (DUM DUM): It was the 44th amendment....(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : यह क्वैश्चन आंसर का समय नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: We do not want to change it.

HON. SPEAKER: This is not the Question Hour.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: We do not want to change it. What has been quoted is what is there in the original Constitution of India. Hereafter, care will be taken to see that a new advertisement containing the present amended Constitution goes. For the sake of convenience of my young friend Shri Scindia, I will send him an advertisement issued by the then Government on Ambedkar Jayanti Day carrying the same advertisement. कभी-कभी ऐसा अधिकारी ....(व्यवधान)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: When Dr. Ambedkar enacted it, this definition was there at that time. Do not confuse the people. Do not defend wrong things.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: I am not defending anything. You are trying to defend it. खड़गे जी, आप इतना अनुभवी होते हुए ऐसा कह रहे हैं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अब हो गया, उन्होंने बोल दिया है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ज्योतिरादित्य जी, आज क्या हो गया है?

â€¦(व्यवधान)

SHRI JYOTIRADITYA M. SCINDIA: Madam, my limited request is that you control your Ministers from making statements...(*Interruptions*)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: You have got a right to ask questions and make a request. I have got a right, as far as parliamentary procedure and Constitution is concerned, to respond from the Government's point of view. I was only trying to enlighten the House about what had happened in 2012. A similar advertisement was given. Now, another advertisement has been given. We had a discussion with I&B Ministry. They said that this has been the practice. Since they have taken it from the Parliament Museum, it was not amended. It has now come to our notice that the original Constitution, which was signed by right from Jawaharlal Nehru to all senior leaders, did not contain this. Subsequently, it was changed by bringing the 44th amendment.

SEVERAL HON. MEMBERS: It was the 42nd amendment.

श्री एम. वैंकैय्या नायडू: मैंने फोर्टी सेकेंड कहा। ...(व्यवधान) सुनिए, आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान) मैंने फोर्टी सेकेंड कहा। सौगत जी मेरे बड़े भाई हैं। ...(व्यवधान)

प्रो. सौगत राय: आपने 44 कहा, तब आप लोग पॉवर में थे। क्या आपने उसमें चेंज नहीं किया?

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : हम चेंज नहीं करना चाहते हैं। मैं आपको एक और चीज दिखाना चाहता हूं। पार्लियामेंट ने जो इस साल राज्य सभा कैलेंडर पब्लिश किया, उसमें भी वही है। इसमें मैं किसी को दोष नहीं देना चाहता हूं। इसको करेक्ट करने का प्रयास होना चाहिए। जो प्रिंटिंग विभाग होता है, उनको जो ओरिजनल मिला होगा, उसे ही उन्होंने प्रिंट किया होगा। इसको हम जरूर एड्रेस करेंगे। आगे जो भी आएगा, उसमें ...(व्यवधान)

प्रो. सौगत राय: मंत्री जी को कंट्रोल करिए। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : हर बात में नहीं बोलें।

श्री एम. वैंकैय्या नायडू : कंट्रोल हो रहे हैं न बंगाल में। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज बैठ जाइए। मैं क्वैश्चन आंसर नहीं करवा रही हूं। आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: So, I would like to submit that there is no such proposal at all. The matter is very clear. Let us leave it there and move forward....(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : हर बात का उत्तर नहीं होगा। एक प्रश्न का उत्तर उन्होंने दे दिया है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपको केवल चिल्लाना ही है तो चिल्लाते रहिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आई ऐम सॉरी, आपका विषय हो गया है। The matter is closed.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : श्री रत्न लाल कटारिया जी।